PROGRAM OUTCOME

PROGRAM SPECIFIC OUTCOME

AND

COURSE OUTCOME

Department of Hindi Bidhan Chandra College

DEPARTMENT OF HINDI

BIDHAN CHANDRA COLLEGE

ASANSOL-713 304

COURSE OUTCOME

HINDI HONOURS

SEMESTER-1

BAHHINC 101: हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

- इस विषय के अध्ययन से विद्यार्थियों को किसी साहित्य के क्रमिक विकास अर्थात आदिकाल से रीतिकाल तक की काल-यात्रा के मूल्यांकन की आधार भूमि प्रदान करता है।
- साहित्येतिहास लेखन की परम्परा ,कालविभाजन और नामकरण के अध्ययन से नामकरण और कालविभाजन के विवाद को वैज्ञानिक आधार पर समझने के साथ –साथ काल एवं कवि का सामान्य –वैशिष्ट्य परिचय भी प्राप्त करना।
- अनेक भाषाओं की जातीय संस्कृति ,राजनैतिक एवं दार्शनिक चेतना का ज्ञान भी प्राप्त करता है ।

BAHHINC 102: आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य

- आदिकाल कविता का शैशवकाल है जहाँ बहु भाषा एवं विचारों का वैविध्य बहु आयामी हैं जिसमें सौन्दर्य के अपरूप कवि विद्यापति के गीतों में लोक संगीत के छंद मुग्ध करने वाले हैं ।
- भक्ति काल कविता का स्वर्ण युग है जहां विद्यार्थी काव्य की व्याख्या और आलोचना के माध्यम से कबीर के ज्ञान साहस और व्यंग्य से परिचित होता है, सूर के वात्सल्य और श्रृंगार का कोना-कोना झांकता है, तुलसी के लोक मंगल उद्धत चेतना से प्रभाव ग्रहण करता है वहीं मीरा की नारी-जीवन की यंत्रणा एवं प्रेम की पीर से परिचय प्राप्त करता है ।

Department of Hindi Bidhan Chandra College

- रीतिकाल में वह बिहारी की भाव, भाषा की बारीक कारीगरी की परख करता है, भूषण के वीर एवं शौर्य परंपरा के यथार्थ से प्रभावित होता है तो घनानंद के सहज सरल प्रेम के उन्मुक्त गायन में खो जाता है ।

BAHHINGE101:हिन्दी सिनेमा

- हिंदी सिनेमा ने हिंदी भाषा और साहित्य को एक अखिल भारतीय एवं वैश्विक पहचान दी है।
- हिंदी सिनेमा के सौ वर्षों का इतिहास छात्रों के लिये बेहद रोचक और रोमांचित करने वाला है।
- काल क्रमानुसार राष्ट्रीय,सामाजिक, राजनीतिक बदलाव की झलक सिनेमा ने बढ़-चढ़कर प्रस्तुत किया है जिससे छात्र अवगत होते हैं।
- हिंदी सिनेमा ने बहुत सारे सदाबहार गीत दिए हैं जो हमारे भाव और प्रेरणा के आधार हैं।
- फिल्मों की समीक्षा से छात्र संवाद से प्रेरित और प्रभावित होते हैं।

SEMESTER-2

BAHHINC 201: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- आधुनिक काल हिंदी का गद्य काल है नवजागरण का यह प्रथम एवं द्वितीय योग भारतेंदु एवं द्विवेदी युग के नाम से जाना जाता है। इस युग का हंसमुख गद्य, उन्मुक्त चिंतन, भाषा एवं राष्ट्रप्रेम विद्यार्थी को मुग्ध करता है।
- छायावाद रोमांटिक खड़ी बोली कविता के वैभव का काल है जहां कविता में प्रसाद, निराला ,पंत, महादेवी के साथ निबंध और आलोचना में आचार्य

Department of Hindi Bidhan Chandra College

शुक्ल और आचार्य द्विवेदी, कहानी उपन्यास में प्रेमचंद, प्रसाद और हजारी प्रसाद द्विवेदी का उत्कृष्ट सृजन भक्ति का पत्थर है।

- छायावादोत्तर काल में प्रगतिवाद प्रयोगवाद नहीं कविता एवं समकालीन साहित्य तक की यात्रा है जहां विद्यार्थी प्रत्येक दिशाओं की प्रकृति, परिभाषा के साथ उद्भव एवं विकास की यात्रा से परिचय प्राप्त करता है।

BAHHINC 202: आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

- भारतेंदु के ब्रज भाषा में चरित्र खड़ी बोली की कविताओं में विद्यार्थी को उनके प्रकृति सौंदर्य के साथ क्रांतिकारी व्यक्तित्व से परिचय प्राप्त होता है ।
- द्विवेदी युग में मैथिलीशरण गुप्त, हरिऔध और रामनरेश त्रिपाठी आदि कवियों ने स्वतंत्रता आंदोलन में अपने काल के वादों को राष्ट्रीय अस्मिता के लिए त्याग और बलिदान की प्रेरणा दी है।
- छायावाद खड़ी बोली हिंदी कविता का स्वर्ण काल है जिसमें नवजागरण कालीन छायावादी कवियों ने प्रकृति के मानवीकरण के साथ महा काव्यात्मक कविताओं में भाषा और विम्ब के अनेक नूतन प्रयोग किए हैं विद्यार्थी इन कवियों से और उत्साह और प्रेरणा ग्रहण करता है ।

BAHHINGE 202 : पटकथा तथा संवाद लेखन

- पटकथा लेखन के लिए उसकी मूल अवधारणा और स्वरूप का ज्ञान अत्यावश्यक है ।
- पटकथा लेखक को प्रवाहहीन कथानक ,अस्वाभाविक कथोपकथन चमत्कारपूर्ण घटनाओं का चयन,निरुद्देश्य दृश्य विधान से बचना चाहिए ।
- पटकथा लेखक को अभिनय,संवाद की बारीक समझ होनी चाहिए

Department of Hindi Bidhan Chandra College

- साहित्य के विद्यार्थी और साहित्यकार के लिए यह सफल प्लेटफार्म हो सकता है

MIL HINDI BA 2nd FOR ALL Hons and Programme

AECE : 2

- इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के पश्चात साहित्येत्तर विद्यार्थी हिन्दी भाषा और हिन्दी साहित्य से विस्तृत परिचय प्राप्त कर सकता है।
- विविध कवियों ,कहानीकारों व निबंध की लेखन शैली से परिचित हो विचारों की अभिव्यक्ति की कला सीख पाएगा।
- कविता ,कहानी,निबंध का अन्तर ,भावों की अभिव्यक्ति का तरीका और अर्थ ग्रहण कर उसे अभिव्यक्त करने में सक्षम हो पायेगा ।

SEMESTER – 3

BAHHINC 301 : भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

- भाषा विज्ञान के माध्यम से विद्यार्थी आदिम से आधुनिक भाषा परिवार के प्रमुख अंग एवं पद्धतियों से परिचय प्राप्त करता है।
- ध्वनि विज्ञान के उच्चारण अवयव के साथ स्वर और व्यंजन, शब्द और अर्थ के साथ व्याकरणिक विकास से अवगत होता है।
- राजभाषा,राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा के मानक रूप के साथ हिंदी बोलियों के इतिहास और संस्कृति से भी परिचित होता है।
- भाषा विज्ञान के बिना भाषा का ज्ञान आधा- अधूरा और अप्रभावी होगा।

Department of Hindi Bidhan Chandra College

BAHHINC 302 : छायावादोतर हिंदी कविता

- छायावादोत्तर कविता जनतांत्रिक होने के कारण एक तरह से सत्ता का स्थायी प्रतिपक्ष है ,इस काल में गद्य और कविता के बीच का अंतर भी कम हुआ है जिससे बच्चे परिचित होते हैं ।दिनकर की प्रसिद्धि एक राष्ट्रीय भावना और वीर रस के कवि के रूप में है। अज्ञेय जीने की लालसा और स्वातंत्र्य की खोज के कवि हैं।
- मुक्तिबोध और नागार्जुन सिद्धांत और व्यवहार दोनों में मार्क्सवादी कवि हैं । अतः दोनों ने अपने चारों ओर पहले पूंजीवादी व्यवस्था का शोषण,अत्याचार,भ्रष्टाचार,हताशा,आतंक और मूल्यहीनता पर प्रहार किया है जिससे विद्यार्थी अवगत होते हैं ।
- धूमिल और रघुवीर सहाय अपनी भाषा, कला सजगता, सामाजिक सरोकार की विशिष्ट अभिव्यंजना को बनाते और धार देते हैं जिससे छात्र सामाजिक सरोकारों के प्रति सजग होते हैं । अरुण कमल और अनामिका ने अपनी कविताओं में दुख और विषाद से भरी नारी जीवन को वाणी दी है इनकी कविताएं आपबीती भी हैं और जग बीती भी, जिसके कारण छात्र इन सरोकारों से खुद को जोड़ पाते हैं

BAHHINC 303 : हिन्दी नाटक और एकांकी

- भारतीय साहित्य में नाट्य विद्या के विकास एवं उसकी विभिन्न शैलियों से अवगत होते हैं। हिंदी साहित्य के विकास में आधुनिककालीन नाटको की महत्ता को जान सकेंगें।
- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में प्रसाद के नाटकों के योगदान को समझ सकेंगे।नाटक एवं रंगमंच में अंतर तथा नाटक एवं एकांकी के अंतर को समझ सकेंगे।

Department of Hindi Bidhan Chandra College

- सामाजिक, मनोवैज्ञानिक एवं ऐतिहासिक नाटकों में व्यक्त चेतना को समय सापेक्ष समझने में आसानी हो सकती है।

BAHHINGE 301 : अनुवाद

- इस पाठ्यक्रम को पढ़ने से विद्यार्थी अनुवाद की आवश्यकता,प्रकार

  और प्रमुख रूप का ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे।
- अनुवाद विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को समझ पाएंगे।
- अनुवाद की आवश्यकता समझ, सफल अनुवादक के गुण ,क्षमताओं का विकास करने के लिये प्रेरित हो पाएंगे।
- व्यावहारिक तौर पर अनुवाद का कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे।

BAHHINSE 302 : सोशल मीडिया

- सोशल मीडिया छात्रों के लिए सामाजिक जागरूकता,मार्केटिंग साधना ,समाचार ,नौकरी संबंधी विज्ञापन का मुख्य आधार है ।
- इंटरनेट के माध्यम से छात्र दुनिया की सम्पूर्ण विषयों की जानकारी आनलाइन प्राप्त कर सकता है।
- विकीपीडिया छात्रों के लिए बहुभाषी मुफ्त डिजिटल ज्ञान कोश है।
- यूट्यूब छात्रों के लिए पढ़ने–लिखने से लेकर खेल-कूद, ज्ञान-विज्ञान का मुख्य स्त्रोत है ।
- फेसबुक छात्रों के लिए सामाजिक संबंधों से लेकर ज्ञान-विज्ञान में साझेदारी का एक मुख्य आधार है ।

SEMESTER – 4

Department of Hindi Bidhan Chandra College

BAHHINC 401 : प्रयोजनमूलक हिन्दी

- प्रयोजनमूलक हिंदी के अभिप्राय तथा उसकी परिव्याप्ति को बताया जा सके।
- भारतीय राष्ट्रभाषा और राजभाषा के विकास में प्रयोजनमूलक हिंदी का विशेष योगदान रहा है।
- सरकारी पत्र, अर्ध-सरकारी पत्र, प्रतिवेदन, परिपत्र, निविदा आदि के प्रारूप तथा उदाहरण से अवगत कराया जाएगा
- प्रयोजनमूलक हिंदी भारत सरकार के कार्यालयों में प्रयुक्त हो रहे विभिन्न प्रकार के आवेदन के प्रारूप को समझने में मदद करेगा जिससे रोजगार की दिशा में सफलता मिल सकती है।

BAHHINC 402 : हिन्दी उपन्यास

- सामंती जीवनबोध और विश्वबोध की अभिव्यक्ति 'महाकाव्य' है वैसे ही आधुनिक जीवनबोध की अभिव्यक्ति उपन्यास है।
- प्रेमचंद के सेवासदन के अध्ययन से नारी जीवन की सदियों से सामाजिक धार्मिक विडंबना के दमनकारी क्रूर व्यहार की तीखी आलोचना से परिचित होता है।
- रणेन्द्र का उपन्यास 'ग्लोबल गांव के देवता' असुर जनजाति के किसानों का दिल दहला देने वाली सच्चाई का उद्घोष है।
- जैनेन्द्र का 'त्यागपत्र' उपन्यास मनुवादी हिन्दू व्यवस्था में बौखलाहट पैदा करती है।विद्यार्थी को मनोवैज्ञानिक विषय की नवीनता अद्भुत आकृष्ट करती है।

Department of Hindi Bidhan Chandra College

BAHHINC 403 : हिन्दी कहानी

- विद्यार्थी भारतीय ग्राम्य जीवन में शोषण और अत्याचार पर आधारित व्यवस्था का भयावह रुप प्रेमचंद की कहानी 'सवासेर गेहूँ' में देख समझ सकता है ।
- प्रसाद की ऐतिहासिक कहानी'गुंडा' विद्यार्थी के लिए प्रेम ,वीरता,त्याग और राष्ट्रप्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है।
- जैनेन्द्र और अज्ञेय की मनोवैज्ञानिक कहानियों में भावुकता का उच्छल आवेग के साथ शब्द चयन,संकेत ,बिम्ब और प्रतीक का गद्यगीत विद्यार्थी को मुग्ध करने वाला है।

BAHHINGE 401 : हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य

- हिन्दी आज सम्पर्क भाषा, राजभाषा के साथ एक वैश्विक भाषा के रूप में पठन-पाठन, लेखक,अनुवादक,विज्ञापन,रंगमंच के रूप में छात्रों को एक रंगमंच प्रदान करती है।
- साहित्य ,संगीत ,कला,संस्कृति में परस्पर आदान–प्रदान में छात्र एक महत्वपूर्ण भूमिका में उतर सकते हैं ।
- केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय ,हिन्दी साहित्य अकादमी ,महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय इस क्षेत्र में विद्यार्थियों की सहभागिता की मांग करते हैं ।
- इक्कीसवीं सदी में हिन्दी के रोज नए-नए द्वार और चुनौतियों में विद्यार्थियों की भागीदारी की एक बड़ी भूमिका होगी ।

Department of Hindi Bidhan Chandra College

BAHHINSE 402 : कार्यालयी हिंदी

- हिंदी भाषा के विभिन्न रूपों का ज्ञान प्राप्त कर उनमें अन्तर समझ पायेंगें।
- कार्यालय कामकाज में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न रूपों से परिचित हो सकेंगे।
- जीवन और अध्ययन में इन भाषाई कौशल का प्रयोग कर पाएगा।
- भाषाई क्षमता व दक्षता को प्राप्त कर पाएगा।

SEMESTER-5

BAHHINC501: भारतीय काव्यशास्त्र

- विद्यार्थी साहित्य की परिभाषा एवम् काव्य लक्षण पर भारतीय आचार्यों के मत मतांतर से अवगत होता है।
- काव्य हेतु के अन्तर्गत प्रतिभा,व्युत्पत्ति और अभ्यास के साथ काव्य प्रयोजन के उद्देश्य से अवगत होता है।
- शब्द शक्ति के विविध रूपों से परिचित होता है।
- रस,अलंकार,रीति,ध्वनि,वक्रोक्ति आदि के अध्ययन से काव्य में इनका प्रयोग एवं इनकी उपयोगिता से अवगत होता है।

BAHHINC502: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Department of Hindi Bidhan Chandra College

- प्लेटो के काव्य प्रयोजन के अध्ययन से मनुष्यता उच्च भाव का प्रकटीकरण होता है।
- अरस्तु के सिद्धांत के अध्ययन से विद्यार्थियों में विश्लेषण और सर्जनात्मक शक्ति का विकास होता है।
- लोंजाइनस का उदात्त सिद्धांत विद्यार्थी को मानवीय दृष्टिकोण प्रदान करता है।
- टी एस इलियट,आई ए रिचर्डस की कविताएं जहां वैज्ञानिक युग में भी इसकी उपयोगिता और मूल्य बोध से अवगत कराती हैं वहीं विलियम वड्र्सवर्थ की कविता काव्य भाषा में स्वच्छंदतावाद,मनोविश्लेषणवाद के सिद्धांतों से विद्यार्थियों को अवगत कराता है।

BAHHINDSE501: अस्मितामूलकविमर्श और हिन्दी साहित्य

- बीसवीं सदी विमर्शों की सदी है,इस सदी में समाज के सभी वंचित समूहों ने अपने हक,अधिकार और अपनी अस्मितागत पहचान के लिए निर्यणाक लड़ाई छेड़ रखी है।विद्यार्थी इस विमर्शगत लड़ाई से परिचित होते हैं।
- हिन्दी साहित्य के तीनों विमर्श दलित ,नारी और आदिवासी में समाज के इन वंचित वर्गो ने कहानी,कविता ,उपन्यास ,आत्मकथा और अन्य विधाओं के माध्यम से साहित्य जगत में मुख्य धारा का ध्यान अपनी ओर खिंचा ,जिससे विद्यार्थी अवगत होते हैं।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सभी विद्यार्थी साहित्य की नई विधाओं से अवगत होंगे।समकालीन दौर के नये विषयों से छात्र–छात्राएं मुखातिब होंगे और यह उनके लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

Department of Hindi Bidhan Chandra College

BAHHINDSE503: हिन्दी व्याकरण

- व्याकरण का शुद्ध प्रयोग शब्दों का ज्ञान,शुद्ध लेखन,व्यावहारिक प्रयोग सीखि पायेगा।
- भाषायी कौशल,वाचन,श्रवण,लेखन और पठन के गुणों को आत्मसात कर पायेगा।
- वाक्यों का शुद्ध चयन और उसका सटीक प्रयोग सीख पायेगा।

SEMESTER6

BAHHINC601: हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ

- निबंध दशक में निबंध विधा का ज्ञान,आत्मकथा,जीवनी संस्मरण एवं रेखाचित्र से प्रेरणा ग्रहण करेंगे कि जीवन में कैसे आगे बढ़ सकते हैं।
- विद्यार्थी सीखता है कि गुलामी व आजादी में कितना अंतर होता है।अपनी आजादी बनाए रखने के लिए उसे सावधान रहना है तथा प्रयत्न भी करने हैं।
- किताबी समझ के अलावा बाजार का आकर्षण व खरीददारी के सिद्धांत को समझ लेता है।
- नि:स्वार्थ सेवा की भावना का सुख जान लेता है।

Department of Hindi Bidhan Chandra College

BAHHINC602: हिन्दी आलोचना

- आलोचना की परिभाषा ,विकास ,अध्ययन की दृष्टियों के साथ आलोचक के गुण और दोषों से विद्यार्थी अवगत होता है ।
- हिन्दी आलोचना जगत के विद्वान आचार्य रामचंद्र शुक्ल ,हजारी प्रसाद द्विवेदी,रामविलास शर्मा ,नामवर सिंह की आलोचना पद्धति का अध्ययन कर छात्र लाभान्वित होते हैं ।
- हिन्दी आलोचना की अद्यतन अध्ययन के पश्चात विद्यार्थियों में समीक्षा की सूक्ष्म समझ विकसित होती है ।

BAHHINDSE601: लोकसाहित्य

- लोकसाहित्य के प्रमुख रूपों का ज्ञान प्राप्त कर पायेगा ।
- लोकगीत,लोककथाओं,लोकनाट्य आदि के महत्व को समझ पायेगा
- लोक संस्कृति के विविध पहलुओं,परम्पराओं,लोककथाओं,लोकगीतों के उद्भव का ज्ञान प्राप्त कर पायेगा ।
- लोकसंस्कृति की गहराई और उसके मानव, मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव की समझ पायेगा ।

BAHHINDSE605: हिन्दी रंगमंच

Department of Hindi Bidhan Chandra College

- पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात विद्यार्थी,नाटक के विभिन्न प्रकार,हिन्दी नाट्यशास्त्र,नाट्य लेखन के इतिहास का सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर पायेगा ।
- हिन्दी के प्रमुख नाटक व नाटककारों को पढकर नाटक के तत्वों के महत्व को समझ पायेगा ।
- रंगमंच से जुड़ी बारीकियों को समझ पायेगा ।
- रंगमंच के विविध पहलुओं जैसे संवाद लेखन,पटकथा लेखन,ध्वनि व्यवस्था,प्रसाधन आदि में विशेषज्ञता हासिल करने की आधार भूमि को प्राप्त कर पायेगा ।

Department of Hindi Bidhan Chandra College